# ८. नए मेहमान

## कहानी का सारांश

उदयशंकर भट्ट द्वारा रचित एकांकी 'नए मेहमान' एक शहरी मध्यमवर्गीय परिवार की दिनचर्या और सामाजिक परिस्थितियों का यथार्थ चित्रण है। कहानी का वातावरण भीषण गर्मी का है। कृष्णनाथ और उनकी पत्नी रेणुका अपने छोटे से किराए के मकान में गर्मी और असुविधाओं से जूझ रहे हैं। इसी दौरान दो अनजान व्यक्ति स्वयं को उनके परिचित संपतराम के रिश्तेदार बताकर घर में ठहरने आ जाते हैं। कृष्णनाथ उन्हें पहचानते नहीं हैं, फिर भी आतिथ्य-सत्कार करते हैं।

बाद में बातचीत से स्पष्ट होता है कि वे गलत पते पर आ गए हैं। उन्हें जिस व्यक्ति के यहाँ ठहरना था, वे पड़ोस की गली में रहते हैं। स्थिति स्पष्ट होते ही वे वहाँ चले जाते हैं। इसके तुरंत बाद रेणुका का सगा भाई आता है, जिससे परिवार को राहत और खुशी मिलती है।

यह एकांकी शहरों में भीषण गर्मी, सीमित साधनों में जीवन यापन की कठिनाई, अजनबियों के प्रति भारतीय आतिथ्य भावना और मध्यमवर्गीय जीवन की वास्तविकता को हास्य और व्यंग्य के साथ प्रस्तुत करती है।

**मुख्य संदेश:**

- भारतीय समाज की आतिथ्य-सत्कार की परंपरा को दर्शाता है।
- मध्यमवर्गीय जीवन की कठिनाइयाँ – छोटा मकान, गर्मी और असुविधाएँ – यथार्थ रूप में चित्रित हैं।
- संकट में भी सहयोग और संवेदनशीलता बनाए रखने की सीख देता है।
- सरलता, मानवीयता और आपसी विश्वास पर जोर देता है।
- हास्य-व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक यथार्थ को रोचक ढंग से प्रस्तुत करता है।

## कठिन शब्द

- **तर** - गीला, भीगा हुआ
- **भयंकर** - डरावना, बहुत अधिक
- **भट्टी** - आग जलाने का चूल्हा, बहुत गर्म जगह
- **आँचल** - साड़ी का सिर ढकने वाला भाग
- **निर्दयी** - दया न करने वाला, कठोर
- **नकद** - तुरंत दिया गया पैसा, कैश
- **अतिथि** - मेहमान
- **संपन्न** - धनी, सम्पन्न, साधनयुक्त
- **व्यर्थ** - बेकार, जिसका कोई लाभ न हो
- **ठग** - धोखेबाज
- **छह गज** - कपड़े की लंबाई की माप (1 गज = लगभग 0.91 मीटर)
- **कारोबार** - व्यापार, धंधा
- **संदूक** - लकड़ी या लोहे का बड़ा बक्सा
- **शिकायत** - असंतोष व्यक्त करना
- **वैध** - डॉक्टर
- **तार** - संदेश भेजने का पुराना तरीका (टेलीग्राम)

www.onepointlearning.com

# पाठ से

## मेरी समझ से

**(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर के सम्मुख तारा (★) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।**

1. **आगंतुकों ने विश्वनाथ के बच्चों को 'सीधे लड़के' किस संदर्भ में कहा?**
   - अतिथियों की सेवा करने के कारण ★
   - आज्ञाकारिता के भाव के कारण ★
   - किसी तरह का प्रश्न न करने के कारण
   - गर्मी को चुपचाप सहने के कारण
2. **"एक ये पड़ोसी है, निर्दयी..." विश्वनाथ ने अपने पड़ोसी को निर्दयी क्यों कहा?**
   - उन्हें कष्ट में देखकर प्रसन्न होते हैं
   - लड़ने-झगड़ने के अवसर ढूँढ़ते हैं
   - पड़ोसी किसी प्रकार का सहयोग नहीं करते हैं
   - अतिथियों का अपमान करते हैं ★
3. **"ईश्वर करे इन दिनों कोई मेहमान न आए" रेवती इस तरह की कामना क्यों कर रही है?**
   - मेहमान के ठहरने की उचित व्यवस्था न होने के कारण
   - रेवती का स्वास्थ्य कुछ समय से ठीक न होने के कारण
   - अतिथियों के आने से घर का कार्य बढ़ जाने के कारण ★
   - उसे अतिथियों का आना-जाना पसंद न होने के कारण ★
4. **"हे भगवान! कोई मुसीबत न आ जाए" रेवती कौन-सी मुसीबत नहीं आने के लिए कहती है?**
   - पानी की कमी होने की
   - मेहमानों के आने की ★
   - पड़ोसियों के चिल्लाने की
   - गर्मी के कारण बीमारी की
5. **इस एकांकी के आधार पर बताएँ कि मुख्य रूप से कौन-सी बात किसी रचना को नाटक का रूप देती है?**
   - संवाद ★
   - वर्णन
   - कथा
   - मंचन ★

**(ख) हो सकता है कि आप सभी ने अलग-अलग उत्तर चुने हों। अब अपने सहपाठियों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?**

**उत्तर:**

1. बच्चों ने बिना सवाल किए मेहमानों की सेवा की और आज्ञाकारी बने रहे, इसलिए उन्हें 'सीधे लड़के' कहा गया।
2. पड़ोसी मेहमानों का अपमान करता है और सहयोग की जगह शिकायत करता है, इसलिए विश्वनाथ ने उसे निर्दयी कहा।
3. घर में पहले ही असुविधाएँ और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हैं। मेहमान आने से काम और बढ़ जाता है, इसलिए उसने ऐसा कहा।
4. रेवती को डर था कि अचानक कोई मेहमान न आ जाए और काम का बोझ न बढ़े।
5. संवाद और मंचन से पात्र जीवंत लगते हैं, कहानी सजीव हो जाती है; यही इसे नाटक का रूप देते हैं।

## पंक्तियों पर चर्चा

**पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपनी कक्षा में साझा कीजिए।**

- **"पानी पीते-पीते पेट फूला जा रहा है, और प्यास है कि बुझने का नाम नहीं लेती।"**
  **उत्तर:** इतनी भीषण गर्मी है कि पेट भर जाने पर भी प्यास नहीं बुझ रही।

www.onepointlearning.com

- **"सारे शहर में जैसे आग बरस रही हो।"**
  **उत्तर:** शहर में अत्यधिक गर्मी पड़ रही है, मौसम तपता हुआ महसूस हो रहा है।
- **"यह तो हमारा ही भाग्य है कि चने की तरह भाड़ में भुनते रहते हैं।"**
  **उत्तर:** जीवन में आराम नहीं है; लोग कठिन परिस्थितियों में तपते रहते हैं।
- **"आह, अब जान में जान आई! सचमुच गरमी में पानी ही तो जान है!"**
  **उत्तर:** गर्मी से परेशान व्यक्ति को पानी पीने पर राहत और ताजगी मिलती है।

## मिलकर करें मिलान

**स्तंभ 1 में कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं और स्तंभ 2 में उनसे मिलते-जुलते भाव दिए गए हैं। स्तंभ 1 की पंक्तियों को स्तंभ 2 की उनके सही भाव वाली पंक्तियों से रेखा खींचकर मिलाइए।**

| स्तंभ 1 | स्तंभ 2 |
|---|---|
| 1. लाखों के आदमी खाक में मिल गए | 1. भोजन की व्यवस्था कब तक हो जाएगी |
| 2. धोती ऐसी धरी रही है, जैसे पुरानी हो | 2. पहले अपना ध्यान फिर दूसरा काम |
| 3. माल-मसाला तो अंडी में है न? | 3. बहुत ही समृद्ध व्यक्ति थे पर अब उनके पास कुछ भी नहीं है |
| 4. खाने में क्या देर-दार है। | 4. कपड़ा पसीने से भीगकर पुराने जैसा हो गया है |
| 5. पहले आत्मा फिर परमात्मा | 5. धनराशि सुरक्षित तो है न! |

**उत्तर:**

| स्तंभ 1 | स्तंभ 2 |
|---|---|
| 1. लाखों के आदमी खाक में मिल गए | 3. बहुत ही समृद्ध व्यक्ति थे पर अब उनके पास कुछ भी नहीं है |
| 2. धोती ऐसी धरी रही है, जैसे पुरानी हो | 4. कपड़ा पसीने से भीगकर पुराने जैसा हो गया है |
| 3. माल-मसाला तो अंडी में है न? | 5. धनराशि सुरक्षित तो है न! |
| 4. खाने में क्या देर-दार है। | 1. भोजन की व्यवस्था कब तक हो जाएगी |
| 5. पहले आत्मा फिर परमात्मा | 2. पहले अपना ध्यान फिर दूसरा काम |

## सोच-विचार के लिए

**एकांकी को पुनः पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—**

**(क) "शहर में तो ऐसे ही मकान होते हैं" नन्दलाल का 'ऐसे ही मकान' से क्या आशय है?**

**उत्तर:** नन्दलाल का मतलब है कि शहरों में ज्यादातर मकान छोटे, तंग और भीड़भाड़ वाले होते हैं। इनमें जगह की कमी रहती है और रहने वालों को सुविधाएँ भी सीमित मिलती हैं।

**(ख) पड़ोसी को विश्वनाथ से किस तरह की शिकायत है? आपके विचार से पड़ोसी का व्यवहार उचित है या अनुचित? तर्क सहित उत्तर दीजिए।**

**उत्तर:** पड़ोसी को शिकायत है कि विश्वनाथ के मेहमानों ने उसकी छत पर पानी गिरा दिया और पहले भी उनके मेहमानों से उसे परेशानी हुई थी।

**व्यवहार का मूल्यांकन:** पड़ोसी का व्यवहार अनुचित है क्योंकि उसने सहयोग करने के बजाय शिकायत और अपमान किया। सभ्य समाज में पड़ोसियों को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए।

www.onepointlearning.com

**(ग) एकांकी में विश्वनाथ नन्दलाल और बाबूलाल को नहीं जानता है, फिर भी उन्हें अपने घर में आने देता है। क्यों?**
**उत्तर:** विश्वनाथ एक दयालु और संवेदनशील व्यक्ति है। भारतीय संस्कृति में मेहमान को "अतिथि देवो भव" माना जाता है। अजनबियों को भी उसने विश्वास और सद्भाव से अपने घर में जगह दी।

**(घ) एकांकी के उन संवादों को ढूँढ़कर लिखिए जिनसे पता चलता है कि बाबूलाल और नन्दलाल विश्वनाथ के परिचित नहीं हैं?**
**उत्तर:** संवाद (बाबूलाल और नन्दलाल परिचित नहीं)-

- **विश्वनाथ**: "मैं संपतराम को नहीं जानता।"
- **नन्दलाल**: "संपतराम को जानने की... क्यों, हम तो आपसे मिलने आए हैं।"
- **विश्वनाथ**: "जिसके यहाँ आपको जाना था, उसका नाम भी तो बताया होगा?"
- **नन्दलाल**: "नाम तो याद नहीं आता। ज़रा ठहरिए, सोचूँ।"

इससे पता चलता है कि वे विश्वनाथ के परिचित नहीं थे।

**(ङ) एकांकी के उन वाक्यों को ढूँढ़कर लिखिए जिनसे पता चलता है कि शहर में भीषण गरमी पड़ रही है।**
**उत्तर:** संवाद (भीषण गर्मी का वर्णन)-

- "उफ्, बड़ी गरमी है! इन बंद मकानों में रहना कितना भयानक है! मकान है कि भट्टी!"
- "पत्ता तक नहीं हिल रहा है। जैसे साँस बंद हो जाएगी।"
- "सारे शहर में जैसे आग बरस रही हो।"
- "पानी पीते-पीते पेट फूला जा रहा है, और प्यास है कि बुझने का नाम नहीं लेती।"
- "यह तो हमारा ही भाग्य है कि चने की तरह भाड़ में भुनते रहते हैं।"

## अनुमान और कल्पना से

**अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए—**
**(क) एकांकी में विश्वनाथ अपनी पत्नी को अतिथियों के लिए भोजन की व्यवस्था करने के लिए कहता है। साथ ही रेवती की अस्वस्थता का विचार करके भोजन बाज़ार से मँगाने का सुझाव भी देता है। लेकिन उसने स्वयं अतिथियों के लिए भोजन बनाने के विषय में क्यों नहीं सोचा?**
**उत्तर:** विश्वनाथ ने खुद भोजन बनाने के बारे में नहीं सोचा क्योंकि वह दिनभर काम करके थका हुआ था, घर का कामकाज आमतौर पर पत्नी ही संभालती थी और उस समय पुरुषों का रसोई में काम करना सामान्य नहीं माना जाता था।

**(ख) एकांकी में विश्वनाथ का बेटा प्रमोद अतिथियों के पेयजल की व्यवस्था करता है और छोटी बहन का भी ध्यान रखता है। प्रमोद को इस तरह के उत्तरदायित्व क्यों दिए गए होंगे?**
**उत्तर:** प्रमोद को पानी पिलाने और बहन की देखभाल जैसे ज़िम्मेदार काम दिए गए क्योंकि:

- परिवार में बच्चों को कम उम्र से ही ज़िम्मेदार बनाना सिखाया जाता था।
- प्रमोद समझदार और मददगार था।
- घर के बड़े कामों में छोटे सदस्य भी सहयोग करें, यह संस्कृति का हिस्सा है।

**(ग) "कैसी बातें करते हो, भैया! मैं अभी खाना बनाती हूँ।" भीषण गरमी और सिर में दर्द के बावजूद भी रेवती भोजन की व्यवस्था करने के लिए क्यों तैयार हो गई होगी?**

www.onepointlearning.com

**उत्तर:** रेवती भीषण गर्मी और सिर दर्द के बावजूद भोजन बनाने को तैयार हो गई क्योंकि:

- भारतीय संस्कृति में मेहमान को "अतिथि देवो भव" कहा गया है।
- वह अपने घर आए मेहमानों का आदर करना अपना कर्तव्य मानती थी।
- घर में सरलता और सेवा-भाव का वातावरण था।

**(घ) एकांकी से गरमी की भीषणता दर्शाने वाली कुछ पंक्तियाँ दी जा रही हैं। अपनी कल्पना और अनुमान से बताइए कि सर्दी और वर्षा की भीषणता के लिए आप इनके स्थान पर क्या-क्या वाक्य प्रयोग करते हैं? अपने वाक्यों को दिए गए उचित स्थान पर लिखिए—**

| गरमी की भीषणता दर्शाने वाली पंक्तियाँ | सर्दी की भीषणता दर्शाने वाली पंक्तियाँ | वर्षा की भीषणता दर्शाने वाली पंक्तियाँ |
|---|---|---|
| **1. यह गरमी में भुन रहा है।** | यह सर्दी में जम गया है। | यह वर्षा में भीग गया है। |
| **2. पर बरफ भी कोई कहाँ तक पिए?** | पर अंगीठी के पास भी कोई कहाँ तक बैठे? | पर छाते से भी कोई कहाँ तक बचे? |
| **3. सारे शहर में जैसे आग बरस रही हो।** | सारे शहर में जैसे बर्फ़ गिर रही हो। | सारे शहर में जैसे पानी बरस रहा हो। |
| **4. प्यास है कि बुझने का नाम नहीं लेती।** | ठंड है कि कम होने का नाम नहीं लेती। | बारिश है कि थमने का नाम नहीं लेती। |
| **5. चारों तरफ दीवारें तप रही हैं।** | चारों तरफ दीवारें जम रही हैं। | चारों तरफ पानी भर गया है। |
| **6. ठंडा-ठंडा पानी पिलाओ दोस्त, प्राण सूखे जा रहे हैं।** | गर्मागर्म चाय पिलाओ दोस्त, प्राण ठिठुर रहे हैं। | गरम सूप पिलाओ दोस्त, प्राण काँप रहे हैं। |
| **7. सचमुच गरमी में पानी ही तो जान है।** | सचमुच ठंड में धूप ही तो जान है। | सचमुच बारिश में छत ही तो जान है। |
| **8. यह तो हमारा ही भाग्य है कि चने की तरह भाड़ में भुनते रहते हैं।** | यह तो हमारा ही भाग्य है कि पाले में काँपते रहते हैं। | यह तो हमारा ही भाग्य है कि पानी में भीगते रहते हैं। |
| **9. फिर भी पसीने से नहा गया हूँ।** | फिर भी ठंड से काँप गया हूँ। | फिर भी सिर से पाँव तक भीग गया हूँ। |

## एकांकी की रचना

**इस एकांकी के आरंभ में पात्र-परिचय, स्थान, समय और विश्वनाथ और रेवती के घर के विषय में बताया गया है, जैसे कि—**

**"गरमी की ऋतु, रात के आठ बजे का समय। कमरे के पूर्व की ओर दो दरवाजे..."**

**विश्वनाथ— उफ़, बड़ी गरमी है (पंखा ज़ोर-ज़ोर से करने लगता है) इन बंद मकानों में रहना कितना भयंकर है। मकान है कि भट्टी!**

**(पश्चिम की ओर से एक स्त्री प्रवेश करती है)**

**रेवती— (आँचल से मुँह का पसीना पोंछती हुई) पता तक नहीं हिल रहा है। जैसे साँस बंद हो जाएगी। सिर फटा जा रहा है।**

www.onepointlearning.com

**एकांकी की इन पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए। पढ़कर स्पष्ट पता चल रहा है कि पहली पंक्ति समय और स्थान आदि के विषय में बता रही है। इसे रंगमंच-निर्देश कहते हैं। वहीं दूसरी पंक्तियाँ से स्पष्ट है कि ये दो लोगों द्वारा कही गई बातें हैं। इन्हें संवाद कहा जाता है। ये 'नए मेहमान' एकांकी का एक अंश है।**

**एकांकी एक प्रकार का नाटक होता है जिसमें केवल एक ही अंक या भाग होता है। इसमें किसी कहानी या घटना को संक्षेप में दर्शाया जाता है। आप इस एकांकी में ऐसी अनेक विशेषताएँ खोज सकते हैं। (जैसे— इस एकांकी में कुछ संकेत कोष्ठक में दिए गए हैं, पात्र-परिचय, अभिनय संकेत, वेशभूषा संबंधी निर्देश आदि)**

**(क) अपने समूह में मिलकर इस एकांकी की विशेषताओं की सूची बनाइए।**

**उत्तर:** 'नए मेहमान' एकांकी की विशेषताएँ:

- एकांकी में केवल एक ही अंक होता है।
- इसकी कहानी एक ही स्थान (विश्वनाथ का घर) पर घटित होती है।
- इसमें पात्रों की संख्या कम होती है।
- कहानी को आगे बढ़ाने के लिए संवादों का उपयोग किया गया है।
- कोष्ठक में दिए गए संकेत, अभिनय निर्देश और वेशभूषा के विवरण रंगमंच पर अभिनय में मदद करते हैं।
- एकांकी संक्षिप्त होती है लेकिन भावपूर्ण और प्रभावशाली होती है।
- इसमें समाज, जीवन और संस्कृति का यथार्थ चित्रण होता है।
- पात्रों के भाव, क्रिया और परिस्थिति को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है।

**(ख) आगे कुछ वाक्य दिए गए हैं। एकांकी के बारे में जो वाक्य आपको सही लग रहे हैं, उनके सामने 'हाँ' लिखिए। जो वाक्य सही नहीं लग रहे हैं, उनके सामने 'नहीं' लिखिए।**

| वाक्य | हाँ/नहीं |
|---|---|
| **1. 'नए मेहमान' एकांकी में पूरी कहानी एक ही स्थान, घर में घटित होती दिखाई गई है।** | हाँ |
| **2. एकांकी में पात्रों की संख्या बहुत अधिक है।** | नहीं |
| **3. एकांकी में एक कहानी छिपी है।** | हाँ |
| **4. एकांकी और कहानी में कोई अंतर नहीं है।** | नहीं |
| **5. एकांकी में कहानी की घटनाएँ अलग-अलग दिनों या महीनों में हो रही हैं।** | नहीं |
| **6. एकांकी में कहानी मुख्य रूप से संवादों से आगे बढ़ती है।** | हाँ |
| **7. एकांकी में पात्रों को अभिनय के लिए निर्देश दिए गए हैं।** | हाँ |

## अभिनय की बारी

**(क) क्या आपने कभी मंच पर कोई एकांकी या नाटक देखा है? टीवी पर फ़िल्में और धारावाहिक तो अवश्य देखे होंगे। अपने अनुभवों से बताइए कि यदि आपको अपने विद्यालय में 'नए मेहमान' एकांकी का मंचन करना हो तो आप क्या-क्या तैयारियाँ करेंगे? (उदाहरण के लिए— इस एकांकी में आप क्या-क्या जोड़ेंगे जिससे यह और अधिक रोचक बने, कौन-से पात्र जोड़ेंगे या पात्रों की वेशभूषा क्या रखेंगे?)**

**(ख) अब आपको अपने-अपने समूह में इस एकांकी को प्रस्तुत करने की तैयारी करनी है। इसके लिए आपको यह सोचना है कि कौन किस पात्र का अभिनय करेगा। आपके शिक्षक को तैयारी के बाद अभिनय के लिए निर्धारित**

www.onepointlearning.com

**समय देंगे (जैसे 10 मिनट या 15 मिनट)। आपको इतने ही समय में एकांकी प्रस्तुत करनी है। बारी-बारी से प्रत्येक समूह एकांकी को प्रस्तुत करेगा।**

**सुझाव—**

**आप एकांकी को जैसा दिया गया है, बिलकुल वैसा भी प्रस्तुत कर सकते हैं या इसमें थोड़ा-बहुत परिवर्तन भी कर सकते हैं।**

**एकांकी के लिए आस-पास की वस्तुओं का ही उपयोग कर लेना है, जैसे— कुर्सी, मेज आदि।**

**स्थान की कमी हो तो अभिनेता बच्चे अपने स्थान पर खड़े-खड़े भी संवाद बोल सकते हैं।**

**आप चाहें तो अपने अभिनय को अपने शिक्षक की सहायता से रिकॉर्ड करके उसे अपने परिवार या संबंधियों के साथ साझा भी कर सकते हैं।**

**उत्तर:**

(क) हाँ, मैंने स्कूल के वार्षिक कार्यक्रम में मंच पर नाटक देखे हैं और टीवी पर भी कई धारावाहिक व फ़िल्में देखी हैं। उनसे मैंने सीखा कि मंचन को रोचक बनाने के लिए सही संवाद-अभिनय, भाव-भंगिमा और वेशभूषा बहुत ज़रूरी है। यदि विद्यालय में 'नए मेहमान' एकांकी का मंचन करना हो, तो मैं ये तैयारियाँ करूँगा/करूँगी—

- मंच को घर जैसा दिखाने के लिए मेज, कुर्सी, पंखा, जग-गिलास जैसी वस्तुओं का उपयोग।
- पात्रों के लिए सरल वेशभूषा –
  - **विश्वनाथ**: कुर्ता-पायजामा
  - **रेवती**: साड़ी व आँचल
  - **बाबूलाल**, नन्दलाल: धोती-कुर्ता या शर्ट-पैंट
  - **बच्चे**: सामान्य कपड़े
- गर्मी का वातावरण दिखाने के लिए रोशनी व पंखों का सही उपयोग।
- नाटक को रोचक बनाने के लिए थोड़े हल्के-फुल्के संवाद और हास्य दृश्य जोड़ना।
- पात्रों का अभिनय स्वाभाविक लगे, इसके लिए अभिव्यक्ति और हावभाव का अभ्यास।
- मंच पर कम साधनों में दृश्य प्रस्तुत करने की योजना बनाना।

इस तरह यह मंचन सरल, प्रभावशाली और सभी के लिए रोचक बनेगा।

**(ख)** हम अपने समूह में मिलकर 'नए मेहमान' एकांकी के मंचन की तैयारी करेंगे। इसके लिए:

- सबसे पहले हम पात्रों का चुनाव करेंगे –
  - एक छात्र विश्वनाथ बनेगा,
  - एक छात्रा रेवती बनेगी,
  - दो छात्र बाबूलाल और नन्दलाल का अभिनय करेंगे,
  - एक छात्र पड़ोसी बनेगा,
  - दो बच्चे प्रमोद और उसकी बहन का रोल करेंगे।
- सभी छात्र अपने-अपने संवाद याद करेंगे और हाव-भाव का अभ्यास करेंगे।
- मंचन को सरल बनाने के लिए स्कूल की मेज, कुर्सी, पंखा और पानी का जग उपयोग करेंगे।
- शिक्षक द्वारा दिए गए समय (10-15 मिनट) में नाटक को पूरा प्रस्तुत करने का अभ्यास करेंगे।
- समूह के सभी सदस्य अपनी भूमिकाएँ अच्छी तरह निभाने के लिए कई बार रिहर्सल करेंगे।
- बारी-बारी से हर समूह एकांकी का मंचन करेगा और शिक्षक मूल्यांकन करेंगे।

इस प्रकार हम टीमवर्क से यह एकांकी सफलतापूर्वक प्रस्तुत करेंगे।

www.onepointlearning.com

## भाषा की बात

**"सारे शहर में जैसे आग बरस रही हो।"**
**"चारों तरफ दीवारें तप रही हैं।"**
**"यह तो हमारा ही भाग्य है कि चने की तरह भाड़ में भुनते रहते हैं।"**
**उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द गर्मी की प्रचंडता को दर्शा रहे हैं कि तापमान अत्यधिक है।**
**एकांकी में इस प्रकार के और भी प्रयोग हुए हैं जहाँ शब्दों के माध्यम से विशेष प्रभाव उत्पन्न किया गया है। उन प्रयोगों को छाँटकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।**

- **मुहावरे**

  **"आज दो साल से दिन-रात एक करके ढूँढ़ रहा हूँ।"**

**"लाखों के आदमी खाक में मिल गए।"**
**उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित वाक्यांश 'दिन-रात एक करना' तथा 'खाक में मिलना' मुहावरों का प्रायोगिक रूप है। ये वाक्य में एक विशेष प्रभाव उत्पन्न कर रहे हैं। एकांकी में आए अन्य मुहावरों की पहचान करके लिखिए और उनके अर्थ समझते हुए उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।**

- **बात पर बल देना**

**"वह तो कहो, मैं भी ढूँढ़कर ही रहा।"**
**उपर्युक्त वाक्य से रेखांकित शब्द 'ही' हटाकर पढ़िए—**
**"वह तो कहो, मैं भी ढूँढ़कर रहा।"**
**(क) दो-दो के जोड़ों में चर्चा कीजिए कि वाक्य में 'ही' के प्रयोग से किस बात को बल मिल रहा था और 'ही' हटा देने से क्या कमी आई?**
**(ख) नीचे लिखे वाक्यों में ऐसे स्थान पर 'ही' का प्रयोग कीजिए कि वे सामने लिखा अर्थ देने लगे—**
**विश्वनाथ के अतिथि यहाँ रुकेंगे। - और किसी के अतिथि नहीं।**
**विश्वनाथ के अतिथि यहाँ रुकेंगे। - यहाँ के अतिरिक्त और कहीं नहीं।**
**विश्वनाथ के अतिथि यहाँ रुकेंगे। - यहाँ रुकना निश्चित है।**
**"तुम नहाने तो जाओ।"**
**उपर्युक्त वाक्य में 'तो' का स्थान बदलकर अर्थ में आए परिवर्तन पर ध्यान दें—**
**"तुम तो नहाने जाओ।"**
**"तुम नहाने जाओ तो।"**
**'ही' और 'तो' के ऐसे और प्रयोग करके वाक्य बनाइए।**
**उत्तर:**
(1) विशेष प्रभाव वाले वाक्य (गर्मी की प्रचंडता दिखाने वाले वाक्य):
एकांकी से ऐसे वाक्य:
"उफ़, बड़ी गरमी है!"
"पत्ता तक नहीं हिल रहा है। जैसे साँस बंद हो जाएगी।"
"सिर फटा जा रहा है।"
"पानी पीते-पीते पेट फूला जा रहा है, और प्यास है कि बुझने का नाम नहीं लेती।"
"ठंडा-ठंडा पानी पिलाओ दोस्त, प्राण सूखे जा रहे हैं।"
"सचमुच गरमी में पानी ही तो जान है।"
ये वाक्य गर्मी का माहौल जीवंत बना देते हैं।

www.onepointlearning.com

(2) मुहावरे, उनके अर्थ और वाक्य प्रयोग:

| मुहावरा | अर्थ | वाक्य प्रयोग |
|---|---|---|
| **1.** दिन-रात एक करना | जी-तोड़ मेहनत करना | उसने परीक्षा में पास होने के लिए दिन-रात एक कर दिया। |
| **2.** खाक में मिलना | बर्बाद हो जाना | उसकी सारी मेहनत एक गलती से खाक में मिल गई। |
| **3.** जान पर बनना | बहुत संकट में पड़ना | परीक्षा के कठिन प्रश्न देखकर उसकी जान पर बन आई। |
| **4.** कान पकड़ना | वचन देना या पछताना | गलती करने पर उसने कान पकड़कर दोबारा न करने का वादा किया। |
| **5.** जी तोड़ मेहनत करना | पूरी ताकत से प्रयास करना | खिलाड़ियों ने मैच जीतने के लिए जी तोड़ मेहनत की। |
| **6.** आँखें फटी की फटी रह जाना | बहुत आश्चर्य होना | पुरस्कार जीतकर उसकी आँखें फटी की फटी रह गईं। |

(3) बात पर बल देना – 'ही' के प्रयोग का प्रभाव:

वाक्य: "वह तो कहो, मैं भी ढूँढ़कर ही रहा।"

- 'ही' से बल मिलता है कि उसने चाहे कितनी कठिनाई हो, काम पूरा करके ही दम लिया।
- 'ही' हटाने से वाक्य का ज़ोर और दृढ़ता कम हो जाती है।

वाक्यों में 'ही' का सही प्रयोग:

1. विश्वनाथ के अतिथि यहीं ही रुकेंगे। (और कहीं नहीं)
2. विश्वनाथ के अतिथि यहाँ ही रुकेंगे। (यहाँ निश्चित रूप से)
3. विश्वनाथ के अतिथि यहाँ रुकेंगे ही। (यही तय है)

(4) 'तो' के प्रयोग से अर्थ परिवर्तन:

- "तुम नहाने तो जाओ।" → आग्रह, सुझाव का भाव।
- "तुम तो नहाने जाओ।" → ज़ोर देकर कहना कि तुम नहाने जाओ।
- "तुम नहाने जाओ तो।" → अगर तुम नहाने जाओ तो आगे कुछ हो सकता है।

अपने बनाए वाक्य:

- "तुम तो सच में बहुत होशियार हो।" (जोर देकर)
- "तुम यह काम कर तो लो।" (सुझाव)
- "तुम खेल में भाग लो तो पुरस्कार मिल सकता है।" (शर्त)
- "वह जीतने वाला है ही।" (निश्चितता)
- "मैं यह काम करूँगा ही।" (दृढ़ता)

www.onepointlearning.com

# पाठ से आगे

## आपकी बात

**(क) 'रेवती— ये लोग कौन हैं? जान-पहचान के तो मालूम नहीं पड़ते।'**
**'विश्वनाथ— क्या पूछ लूँ? दो-तीन बार पूछा, ठीक-ठीक उत्तर ही नहीं देते!'**
**उपर्युक्त संवाद से पता चलता है कि विश्वनाथ दुविधा की स्थिति में हैं। क्या आपके सामने कभी कोई ऐसी दुविधापूर्ण स्थिति आई है जब आपको यह समझने में समय लगा हो कि क्या सही है और क्या गलत? अपने अनुभव साझा कीजिए।**

**उत्तर:** हाँ, मुझे भी एक बार दुविधा की स्थिति का सामना करना पड़ा था। एक बार स्कूल में दो दोस्तों में विवाद हो गया था और दोनों ने मुझे अपनी-अपनी बात बताई। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि कौन सही है। काफी सोचने और अध्यापक से बात करने के बाद ही मैंने सही निर्णय लिया। इस अनुभव से मैंने सीखा कि जल्दबाज़ी में निर्णय नहीं लेना चाहिए।

**(ख) एकांकी से ऐसा लगता है कि नंदलाल और बाबूलाल सगे संबंधी ही नहीं, अच्छे मित्र भी हैं। आपके अच्छे मित्र कौन-कौन हैं? वे आपको क्यों प्रिय हैं?**

**उत्तर:** मेरे अच्छे मित्रों में _____ (अपने दोस्तों के नाम) हैं। वे मुझे प्रिय इसलिए हैं क्योंकि:

- वे हमेशा मदद करते हैं और खुशियाँ बाँटते हैं।
- वे मुझे समझते हैं और मेरा उत्साह बढ़ाते हैं।
- हम मिलकर पढ़ाई, खेल और अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं।

**(ग) आप अपने किसी संबंधी या मित्र के घर जाने से पहले क्या-क्या तैयारी करते हैं?**

**उत्तर:** मैं किसी संबंधी या मित्र के घर जाने से पहले:

- साफ-सुथरे कपड़े पहनता/पहनती हूँ।
- यदि संभव हो तो एक छोटा-सा उपहार ले जाता/ले जाती हूँ।
- समय से पहले सूचना देकर जाने की कोशिश करता/करती हूँ।
- अच्छे व्यवहार और शिष्टाचार का ध्यान रखता/रखती हूँ।

**(घ) विश्वनाथ के पड़ोसी उनका किसी प्रकार से भी सहयोग नहीं करते हैं। आप अपने पड़ोसियों का किस प्रकार से सहयोग करते हैं?**

**उत्तर:** मैं अपने पड़ोसियों की सहायता इस प्रकार करता/करती हूँ:

- उनकी ज़रूरत पड़ने पर सामान लाने-ले जाने में मदद करता/करती हूँ।
- किसी बीमारी या समस्या के समय उनका हाल-चाल लेता/लेती हूँ।
- उनके बच्चों के साथ खेलता/पढ़ाई में मदद करता/करती हूँ।
- आपसी सहयोग से मोहल्ले का माहौल अच्छा बनाए रखते हैं।

**(ङ) नंदलाल और बाबूलाल का व्यवहार सामान्य अतिथियों जैसा नहीं है। आपके अनुसार सामान्य अतिथियों का व्यवहार कैसा होना चाहिए?**

**उत्तर:** सामान्य अतिथियों का व्यवहार:

- वे घर के वातावरण और सुविधाओं का ध्यान रखते हैं।
- वे ज़्यादा असुविधा न पहुँचाने की कोशिश करते हैं।
- समय पर अपनी आवश्यकताएँ बताते हैं।
- मेज़बान का आदर करते हैं और कृतज्ञ रहते हैं।

www.onepointlearning.com

## सावधानी और सुरक्षा

**(क) विश्वनाथ ने नंदलाल और बाबूलाल से उनका परिचय नहीं पूछा और उन्हें घर के भीतर ले आए। यदि आप उनके स्थान पर होते तो क्या करते?**

**उत्तर:** यदि मैं विश्वनाथ की जगह होता/होती, तो:

- पहले उनसे ठीक से परिचय पूछता/पूछती।
- जिस व्यक्ति से मिलने आए हैं, उसकी जानकारी लेता/लेती।
- उनकी पहचान सुनिश्चित करने के बाद ही उन्हें घर में आने देता/देती।

**(ख) आपके माता-पिता या अभिभावक की अनुपस्थिति में यदि कोई अपरिचित व्यक्ति आए तो आप क्या-क्या सावधानियाँ बरतेंगे?**

**उत्तर:** माता-पिता या अभिभावक की अनुपस्थिति में अपरिचित व्यक्ति आने पर:

- दरवाज़ा न खोलकर खिड़की या गेट से बात करूंगा/करूँगी।
- उनका नाम, कारण और पहचान पूछूँगा/पूछूँगी।
- माता-पिता या किसी बड़े को तुरंत फोन करूँगा/करूँगी।
- अनजान व्यक्ति को घर के भीतर बिल्कुल नहीं आने दूँगा/दूँगी।
- ज़रूरत पड़ने पर पड़ोसियों की मदद लूँगा/लूँगी।

## सृजन

**(क) आपने यह एकांकी पढ़ी। इस एकांकी में एक कहानी कही गई है। उस कहानी को अपने शब्दों में लिखिए। (जैसे — एक दिन घर में मेहमान आ गए...)**

**उत्तर:** एक दिन भीषण गर्मी की रात में विश्वनाथ और उसकी पत्नी रेवती अपने घर में बैठे गर्मी से परेशान हो रहे थे। अचानक दो अपरिचित मेहमान, बाबूलाल और नन्दलाल, उनके घर आ गए। वे अपने को रिश्तेदार बताते हैं, लेकिन स्पष्ट परिचय नहीं देते। फिर भी भारतीय संस्कृति के अनुसार विश्वनाथ और रेवती उनका सम्मान करते हैं और उन्हें घर के अंदर बैठाते हैं। रेवती सिरदर्द और थकान के बावजूद उनके लिए भोजन बनाने को तैयार हो जाती है।

बच्चे भी मेहमानों की सेवा में लग जाते हैं। पड़ोसी इन मेहमानों को पसंद नहीं करते और आलोचना करते हैं, लेकिन विश्वनाथ मेहमाननवाज़ी करता है। बाबूलाल और नन्दलाल का व्यवहार सामान्य मेहमानों जैसा नहीं था, फिर भी परिवार ने उनकी पूरी सेवा की। यह कहानी दिखाती है कि भारतीय परिवारों में कठिन परिस्थिति, असुविधा और थकान के बावजूद मेहमान का आदर करना संस्कृति का हिस्सा है।

## गरमी का प्रकोप

**"तमाम शरीर मारे गरमी के उबल उठा है।"**

**एकांकी में भीषण गरमी का वर्णन किया गया है। आप गरमी के प्रकोप से बचने के लिए क्या-क्या सावधानी बरतेंगे? पाँच-पाँच के समूह में चर्चा करें। मुख्य बिंदुओं को चार्ट पेपर पर लिखकर बुलेटिन बोर्ड पर लगाएँ और इन्हें व्यवहार में लाएँ।-**

**उत्तर:** गरमी के प्रकोप से बचने के लिए अपनाई जाने वाली सावधानियाँ:

- हल्के और सूती कपड़े पहनना ताकि शरीर को ठंडक मिले।
- पानी और तरल पदार्थ अधिक मात्रा में पीना, जैसे नींबू पानी, नारियल पानी, छाछ।
- तेज़ धूप में निकलने से बचना और आवश्यक होने पर छाता, टोपी या स्कार्फ़ का उपयोग करना।

www.onepointlearning.com

- घर और कमरों को हवादार रखना, पंखा, कूलर या ए.सी. का उपयोग करना।
- हल्का और पौष्टिक भोजन लेना, मसालेदार व तैलीय भोजन से परहेज़ करना।
- गर्मी के समय बाहर खेलकूद से बचना, छाया में रहना।
- धूप से आने पर तुरंत ठंडा पानी न पीना, पहले सामान्य तापमान का पानी लेना।
- हीट स्ट्रोक से बचने के उपाय जानना, जैसे सिर पर गीला कपड़ा रखना।
- धूप में गाड़ी पार्क करने पर उसका तापमान कम करने के उपाय करना।
- बच्चों और बुज़ुर्गों पर विशेष ध्यान देना, क्योंकि वे जल्दी गर्मी से प्रभावित होते हैं।

## तार से संदेश

**"क्या मेरा तार नहीं मिला?"**

**रेवती के भाई ने अपने आने की सूचना तार द्वारा भेजी थी। 'तार' संदेश भेजने का एक माध्यम था जिसके द्वारा शीघ्रता से किसी के पास संदेश भेजा जा सकता था, किंतु अब इसका प्रचलन नहीं है।**

**टेलीग्राफ**

**किसी भौतिक वस्तु के विनिमय के बिना ही संदेश को दूर तक संप्रेषित करना टेलीग्राफी कहलाता है। विद्युत धारा की सहायता से, पूर्व निर्धारित संकेतों द्वारा, संवाद एवं समाचारों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजनेवाला तथा प्राप्त करने वाला यंत्र तारयंत्र (टेलीग्राफ) कहलाता है। वर्तमान में यह प्रौद्योगिकी अप्रचलित हो गई है।**

**(क) तार भेजने के आधार पर अनुमान लगाइए कि यह एकांकी लगभग कितने वर्ष पहले लिखी गई होगी?**

**उत्तर:** एकांकी में तार भेजने का उल्लेख है, जिसका उपयोग पहले तत्काल संदेश भेजने के लिए किया जाता था। भारत में तार सेवा का प्रचलन लगभग 1850 से 2013 तक रहा। चूँकि अब यह सेवा बंद हो चुकी है, इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि यह एकांकी लगभग 30-40 वर्ष पहले लिखी गई होगी, जब लोग संदेश भेजने के लिए तार का उपयोग करते थे।

**(ख) आजकल संदेश भेजने के कौन-कौन से साधन सुलभ हैं?**

**उत्तर:** आजकल संदेश भेजने के आधुनिक साधन:

- मोबाइल फ़ोन (कॉल, एसएमएस)
- व्हाट्सऐप, टेलीग्राम, सिग्नल आदि ऐप्स
- ई-मेल
- सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म (फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि)
- वीडियो कॉलिंग सेवाएँ (ज़ूम, गूगल मीट, व्हाट्सऐप वीडियो कॉल)
- कूरियर व भारतीय डाक सेवा

**(ग) आप किसी को संदेश भेजने के लिए किस माध्यम का सर्वाधिक उपयोग करते हैं?**

**उत्तर:** मैं सबसे अधिक संदेश भेजने के लिए मोबाइल फ़ोन और व्हाट्सऐप का उपयोग करता/करती हूँ क्योंकि यह तुरंत संदेश पहुँचाने और फोटो/वीडियो साझा करने का आसान तरीका है।

**(घ) अपने किसी प्रिय व्यक्ति को एक पत्र लिखकर भारतीय डाक द्वारा भेजिए।**

**उत्तर:** प्रिय व्यक्ति को पत्र (उदाहरण):

प्रेषक का पता:

www.onepointlearning.com

राम शर्मा
45, एम.जी. रोड
नई दिल्ली – 110001

दिनांक: 26 अगस्त 2025

प्राप्तकर्ता का पता:
प्रिय माँ
गाँव – हरिपुर,
ज़िला – वाराणसी, उत्तर प्रदेश

प्रिय माँ,
सादर चरण स्पर्श।
आशा है आप सकुशल होंगी। यहाँ मैं अपनी पढ़ाई में अच्छा कर रहा हूँ। आपको यह पत्र इसलिए लिख रहा हूँ कि मुझे आपकी बहुत याद आ रही है। गर्मियों की छुट्टियों में मैं गाँव आऊँगा और हम सब मिलकर समय बिताएँगे। कृपया अपना और पिताजी का स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
पत्र का उत्तर शीघ्र भेजिएगा।

आपका बेटा
राम

## नाप, तौल और मुद्राएँ

**"जबकि नत्थालाल के यहाँ साढ़े नौ आने गज बिक रही थी।"**
**उपर्युक्त पंक्ति के रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए। रेखांकित शब्द 'साढ़े नौ', 'आने', 'गज' में 'साढ़े नौ' भारतीय भाषा में अंतर्राष्ट्रीय अंक (9.5) को दर्शा रहा है तो वहीं 'आने' शब्द भारतीय मुद्रा और 'गज' शब्द लंबाई नापने का मापक है।**

**(क) पता लगाइए कि एक रुपये में कितने आने होते हैं?**
**उत्तर:** एक रुपये में 16 आने होते थे।
**(ख) चार आने में कितने पैसे होते हैं?**
**उत्तर:** एक आने में 4 पैसे होते थे।
इसलिए 4 आने = 4 × 4 = 16 पैसे।
**(ग) आपके आस-पास गज शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया जाता है? पता लगाइए और लिखिए।**
**उत्तर:** गज का प्रयोग लंबाई नापने के लिए किया जाता है।
कपड़ा नापने, जमीन की लंबाई-चौड़ाई नापने, या घर में परदों की माप के लिए "गज" का प्रयोग होता है।
**(घ) बताइए कि एक गज में कितनी फीट होती हैं?**
**उत्तर:** 1 गज = 3 फीट (लगभग 0.914 मीटर)।

www.onepointlearning.com